IT centre.

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर
एम. ए हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर सत्र 2017-18

प्रश्न पत्र– प्रथम
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई 15

इकाई – 1
व्याख्यांश :–
1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत का नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग

इकाई – 2
मैथिलीशरण गुप्त से संबधित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3
जयशंकर प्रसाद से संबधित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4
आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

इकाई – 5
द्रुत पाठ से निर्धारित कवि जगन्नाथदास रत्नाकर, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, महादेवी वर्मा, और बालकृष्ण शर्मा नवीन–परिचय एवं रचनात्मक योगदान ।

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई 15

इकाई–1
भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषाविज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2
स्वन प्रक्रिया – स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य,
स्वनिम की अवधारणा – स्वनों का वर्गीकरण, स्वन–गुण, स्वनिक–परिवर्तन ।

इकाई–3
व्याकरण – रूपविज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा
वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण– निकटस्थ अव्यव विश्लेषण, गहन संरचना और वाह्य संरचना।

इकाई–4
अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परीवर्तन की दिशाएँ ।

2-3-15 2/3/15 02/03/15 11.7.17 11.7.17

इकाई–5
साहित्य और भाषाविज्ञान का अंतः संबन्ध साहित्य अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

इकाई 1.
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, एवं इतिहास लेखन की समस्याएँ ।
इकाई 2.
हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
इकाई 3.
पूर्वमध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्तिआन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।
इकाई 4
रामकाव्य और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्टय ।
इकाई 5.
उत्तर मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराऐं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ और विशेषताएं ।

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
1. सूरदास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर– तृतीय
इकाई–1	प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ पूछी जायेगी।(सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)
इकाई–2	निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न ।
इकाई–3	युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक, परिस्थितियाँ।
इकाई–4	सूरदास का जीवनवृत्त , अंतः साक्ष्य , बाहय साक्ष्य।
इकाई–5	द्रुतपाठ : कुम्भनदास, कृष्णदास ,परमानन्ददास।

आधार ग्रंथ : सूरसागर सार : संपादक धीरेन्द्र वर्मा
प्रकाशक: लोकभारती,इलाहाबाद.

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिफ)
2. जयशंकरप्रसाद

11-7-17 11-7-17

2-3-15 2/3/15 02/03/15

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	पाठ्य रचनाएँ 'कंकाल' एवं तितली, उपन्यास, कहानी – "आकाशदीप", पुरस्कार गुण्डा व्याख्यात्मक –2–2
इकाई–2	प्रसाद का काव्य : कामायनी का समीक्षात्मक अध्ययन।
इकाई–3	छायावाद और प्रसाद।
इकाई–4	प्रसाद की निर्धारित कहानियों और उपन्यास पर समीक्षात्मक प्रश्न।
इकाई–5	दुतपाठ–प्रेमचन्द, वृन्दावनलाल वर्मा, अमृतलाल नागर निराला का औपन्यासिक योगदान ।

सेमेस्टर – तृतीय

चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

3. तुलसीदास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर – तृतीय
इकाई–1	पाठ्य विषय– तुलसीदास:– रामचरित मानस, (गीता प्रेस–गोरखपुर) व्याख्यांश– रामचरित मानस– बालकाण्ड, आयोध्याकाण्ड,
इकाई–2	तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि: सामाजिक ,राजनीतिक,एवं आर्थिक परिस्थितियां
इकाई–3	रामचरित मानस से संबंधित प्रश्न
इकाई–4	हिन्दी में राम काव्य परम्परा और उसके अन्य कवि ।
इकाई–5	दुतपाठ – दोहावली , पार्वती मंगल , जानकी मंगल।

सेमेस्टर– तृतीय

चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

4. कथाकार प्रेमचन्द

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर– तृतीय

12.3.15 2/3/15 02/03/15 11.7.17 11.7.17

इकाई–1	गोदान, एवं प्रेमाश्रम उपन्यास कहानी बूढ़ी काकी , बडे भाई साहब ,शंतरज के खिलाडी (व्याख्या–गोदान से–2 एवं एक शतरंज के खिलाडी से)
इकाई–2	प्रेमचन्द्र : युगीन परिवेश
इकाई–3	हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचन्द
इकाई–4	हिन्दी कहानी या उद्‌भव और विकास
इकाई–5	द्रुतपाठ– विश्वम्भर नाथ शर्मा कौशिक, वेचन शर्मा उग्र, भगवती प्रसाद बाजपेयी ,वृंदावनलाल वर्मा : रचना एवं रचनाकार ।

सेमेस्टर– तृतीय

चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

5. अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	अनुवाद कला : अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।
इकाई–2	अनुवाद की प्रकिया और प्रविधि : विश्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रकिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना
इकाई–3	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।
इकाई–4	अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।
इकाई–5	कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याऐं। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।

सेमेस्टर– तृतीय

चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

6. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

2.3.15 2/3/15 02/03/15 11.7.17 11.7.17

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
इकाई–2	रेडियो नाटको का इतिहास, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।
इकाई–3	टी.वी.नाटक की तकनीक एवं प्रयोग।
इकाई–4	साहित्यिक विधाओं की दृश्य –श्रव्य रूपांतरण–कला पटकथा लेखन।
इकाई–5	संचार माध्यमों की वर्तमान समय में सम्भावनाए एवं चुनौतियाँ।

एम० ए० तृतीय सेम   दिनांक - 16.10.18

आधुनिक काव्य एवं उसका इतिहास
संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ० द्वारिकाप्रसाद - कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

2. डॉ० नगेन्द्र - कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)

3. डॉ० गंगाप्रसाद पाण्डेय - बीसवीं शती की श्रेष्ठतम काव्यकृति कामायनी (साहित्य भवन, इलाहाबाद)

4. डॉ० नगेन्द्र - साकेत : एक अध्ययन (साहित्य भंडार आगरा)

5. डॉ० कमलाकांत पाठक - मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य (रंजीत पब्लिशर्स, दिल्ली)

6. श्री कन्हैयालाल सहल : साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव (साहित्य सदन, चिरगाँव, झांसी)

7. डॉ० के. पी. वर्मा - छायावादी काव्य

8. डॉ० भागीरथ मिश्र तथा डॉ० बलभद्र तिवारी - आधुनिक हिन्दी काव्य (म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल)

9. डॉ० इन्द्रराज सिंह - ~~सामायिक~~ छायावाद और उसके कवि

10. नामवर सिंह - छायावाद - (राजकमल प्रकाशन दिल्ली)

11. आ० विद्यासागर - मूकमाटी - (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)

[signature] 16.10.18
डा. प्रेमलता तिवारी

[signature] 16.10.18
(डॉ० संध्या गंगराडे)

[signature] 16.10.18
डॉ. वन्दना अग्निहोत्री